



Neutral Citation No. - 2026:AHC:25846-DB

उच्च न्यायालय इलाहाबाद

दाण्डिक प्रकीर्ण रिट याचिका संख्या - **1761/2026**

वर्सीदर निषाद एवं 3 अन्य

.....याचीगण

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 3 अन्य

.....प्रत्यर्थीगण

याचीगण के अधिवक्ता: राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, राम मोहन यादव

प्रत्यर्थीगण के अधिवक्ता: जी.ए.

न्यायालय संख्या - 45

माननीय राजीव गुप्ता, न्यायमूर्ति

माननीय अचल सचदेव, न्यायमूर्ति

1. याची के विद्वान अधिवक्ता, राज्य के विद्वान अपर शासकीय अधिवक्ता (ए.जी.ए.) को सुना तथा मामले के अभिलेख का अवलोकन किया।
2. शुरुआत में ही, राज्य के विद्वान अपर शासकीय अधिवक्ता ने इंगित किया है कि वर्तमान मामले में विवेचना पहले ही पूरी हो चुकी है और याची के पक्ष में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है।
3. याची के विद्वान अधिवक्ता उपर्युक्त तथ्यों का खंडन नहीं कर सके, परंतु उन्होंने निवेदन किया कि वे इस रिट याचिका पर आगे दबाव नहीं डालना चाहते और इसे वापस लेना चाहते हैं।
4. राज्य के विद्वान अपर शासकीय अधिवक्ता को उपर्युक्त प्रार्थना पर कोई आपत्ति नहीं है।
5. उपरोक्त के आलोक में, यह रिट याचिका वापस लिए जाने के आधार पर खारिज की जाती है।

(अचल सचदेव, न्यायमूर्ति) (राजीव गुप्ता, न्यायमूर्ति)

5 फरवरी, 2026

वी.के.जी.

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"